दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 20-01-2026

नेपा लिमिटेड में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल स्थापना दिवस मनाया

सुरक्षा के लिए किया जागरूक, बड़ी त्रासदियों के बारे में बताया

नेपानगर| केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में सोमवार को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल एनडीआरएफ स्थापना दिवस मनाया गया। प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने कहा- राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल देश की आपदा प्रबंधन व्यवस्था की सबसे सशक्त कड़ी है। प्राकृतिक व मानवजनित आपदाओं के समय एनडीआरएफ के प्रशिक्षित जवान जिस तत्परता, साहस और अनुशासन के साथ जन धन की रक्षा करते हैं, वह पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्य वक्ता औद्योगिक संरक्षा विभाग के वरिष्ठ परामर्शदाता किशन पटेल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 19 जनवरी को एनडीआरएफ दिवस मनाया जाता है। आपदा प्रबंधन एक्ट 2005 के तहत 19 जनवरी 2006 को गठित एनडीआरएफ भूकंप, बाढ़, चक्रवात सहित अन्य आपदाओं के दौरान राहत व बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता है। उन्होंने आपदा प्रबंधन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत की भोपाल गैस त्रासदी से पूर्व विश्व में भी दो बड़ी औद्योगिक आपदाएं घटित हो चुकी थीं। जिनसे वैश्विक स्तर पर औद्योगिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चेतावनी मिली। इनमें इटली के सेवेसो में रासायनिक गैस रिसाव व जापान में औद्योगिक दुर्घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के दुष्परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं। किशन पटेल ने कहा जागरूकता, नियमित प्रशिक्षण और आपदा से पूर्व सतर्कता ही ऐसी घटनाओं से होने वाले नुकसान को न्यूनतम कर सकती है। इसी उद्देश्य से एनडीआरएफ जैसी संगठित और प्रशिक्षित संस्था देश के लिए अत्यंत आवश्यक है। वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन ज्ञानेश्वर खैरनार ने कहा- कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति चेतना विकसित करने, आपदा की स्थिति में सही और त्वरित निर्णय लेने में ऐसे कार्यक्रम सहायक होते हैं। इस दौरान उपमहाप्रबंधक वाणिज्य, कार्य सुरेंद्र कुमार मेहता, उपप्रबंधक वाणिज्य सुनील कुमार कुलथे, उपप्रबंधक पावर हाउस स्वतंत्र कुमार कसेरा, विभागाध्यक्ष सुरक्षा संजय पवार, नेपा मिल श्रमिक संघ के प्रधान सचिव अरुण फरकले सहित रामबिलास रघुवंशी, देवेंद्र कुमार पांडेय, राजेंद्र चौधरी, आशुतोष मिश्रा, दीपक सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

नेपा लिमिटेड में स्थापना दिवस मनाया गया।

NEPANAGAR

Nepa Limited observes NDRF Foundation Day

Nepa Limited, a Central Public Sector Enterprise under the Ministry of Heavy Industries, observed the National Disaster Response Force (NDRF) Foundation Day at its administrative building on Monday. Public Relations Officer Sandeep Thakre addressed the gathering, praising NDRF as India's disaster management pillar for its swift, disciplined responses to natural and man-made crises. Senior Manager (P&A) Gyaneshwar Khairnar gave thanks. Senior officials, employees and Nepa Mill Workers' Union leaders attended.

बुरहानपुर-नेपानगर

▶ नेपा मिल में एनडीआरएफ के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

आपदा प्रबंधन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है एनडीआरएफ

संबोधित करते हुए।

नेपानगर / राज न्यूज नेटवर्क

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल एनडीआरएफ स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों में आपदा प्रबंधन, सुरक्षा जागरूकता और त्वरित निर्णय क्षमता को सुदृढ़ करना रहा। जानकारी देते हुए जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल देश की आपदा प्रबंधन व्यवस्था की सबसे सशक्त और विश्वसनीय कड़ी है। प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के समय एनडीआरएफ के प्रशिक्षित जवान जिस साहस, अनुशासन और तत्परता के साथ जन-धन की रक्षा करते हैं, वह पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। एनडीआरएफने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी मानवता की सेवा कर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता औद्योगिक संरक्षा विभाग के वरिष्ठ परामर्शदाता किशन पटेल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 19 जनवरी को एनडीआरएफ स्थापना दिवस मनाया जाता है। उन्होंने जानकारी दी कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अंतर्गत 19 जनवरी 2006 को एनडीआरएफका गठन किया गया था, जो आज भूकंप, बाढ़, चक्रवात, औद्योगिक दुर्घटनाओं सहित विभिन्न आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

किशन पटेल ने आपदा प्रबंधन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर कहा कि भारत की भोपाल गैस त्रासदी से पूर्व भी विश्व में कई बड़ी औद्योगिक आपदाएं घटित हो चुकी थीं। उन्होंने इटली के सेवेसो में रासायनिक गैस रिसाव तथा जापान में हुई औद्योगिक दुर्घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि इन घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर औद्योगिक सुरक्षा मानकों की अनदेखी के गंभीर और भयावह परिणामों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि सुरक्षा, सतर्कता और प्रशिक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जागरूकता, नियमित मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और आपदा से पूर्व सतर्कता ही आपदाओं से होने वाले नुकसान को न्यूनतम कर सकती है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए एनडीआरएफ जैसी संगठित, प्रशिक्षित और अनुशासित संस्था देश के लिए अत्यंत आवश्यक है, जो हर समय सेवा के लिए तत्पर रहती है।

सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिक ज्ञानेश्वर खैरनार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में सहीए त्वरित और समन्वित निर्णय लेने की क्षमता ऐसे आयोजनों से मजबूत होती है। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक वाणिज्य एवं कार्य सुरेंद्र कुमार मेहता, उप प्रबंधक वाणिज्य सुनील कुमार कुलथे, स्वतंत्र कुमार कसेरा, संजय पवार, प्रधान सचिव अरुण फरकले सहित रामबिलास रघुवंशी, देवेंद्र कुमार पांडेय, राजेंद्र चौधरी, आशुतोष मिश्रा, दीपक सिंह ठाकुर, शिरीष येलवनकर, सुनील कुमार राव, देवीदास लोखंडे, मणिलाल पाटिल आदी मौजूद रहे।

कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एनडीआरएफ दिवस

नेपा लिमिटेड में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल स्थापना दिवस मनाया

एनडीआरएफ साहस के साथ जन धन की रक्षा करते हैं, वह देश के लिए प्रेरणास्रोत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में सोमवार को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल एनडीआरएफ स्थापना दिवस मनाया गया।

जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल देश की आपदा प्रबंधन व्यवस्था की सबसे सशक्त कड़ी है। प्राकृतिक व मानवजनित आपदाओं के समय एनडीआरएफ के प्रशिक्षित जवान जिस तत्परता, साहस और अनुशासन के साथ जन धन की रक्षा करते हैं, वह पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

राहत, बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्य वक्ता औद्योगिक संरक्षा विभाग के वरिष्ठ परामर्शदाता किशन पटेल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 19 जनवरी को एनडीआरएफ दिवस मनाया जाता है। आपदा प्रबंधन एक्ट 2005 के तहत 19 जनवरी 2006 को गठित एनडीआरएफ भूकंप, बाढ़, चक्रवात सहित अन्य आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता है। भारत की भोपाल गैस त्रासदी से पूर्व विश्व में भी दो बड़ी औद्योगिक आपदाएं घटित हो चुकी थीं, जिनसे वैश्विक स्तर पर औद्योगिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चेतावनी मिली। इनमें इटली के सेवेसो में रासायनिक गैस रिसाव व जापान में औद्योगिक दुर्घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के दुष्परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं। किशन पटेल ने कहा कि जागरूकता, नियमित प्रशिक्षण और आपदा से पूर्व सतर्कता ही ऐसी घटनाओं से होने वाले नुकसान को न्यूनतम कर सकती है। इसी उद्देश्य से एनडीआरएफ जैसी संगठित और प्रशिक्षित संस्था देश के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में एनडीआरएफ पर डाला प्रकाश।

वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन ज्ञानेश्वर खैरनार ने आभार जताया। उन्होंने कहा कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति चेतना विकसित करने, आपदा की स्थिति में सही और त्वरित निर्णय लेने में ऐसे कार्यक्रम सहायक होते हैं। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक वाणिज्य, कार्य सुरेंद्र कुमार मेहता, उप प्रबंधक वाणिज्य सुनील कुमार कुलथे, उप प्रबंधक पावर हाउस स्वतंत्र कुमार कसेरा, विभागाध्यक्ष सुरक्षा संजय पवार, नेपा मिल श्रमिक संघ के प्रधान सचिव अरुण फरकले सहित रामबिलास रघुवंशी, देवेंद्र कुमार पांडेय, राजेंद्र चौधरी, आशुतोष मिश्रा, दीपक सिंह ठाकुर, सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।